

nt>

Title: Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule of the Constitution.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए निवेदन करना चाहता हूँ कि भोजपुरी एक लोकप्रिय भाषा है। इस देश में लगभग 20 करोड़ से अधिक लोग बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, असम, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में भोजपुरी भाषा-भाषी हैं।^{â€} (व्यवधान) महोदय, मेरी बात सुनी जाए।^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपकी बात कौन नहीं सुनेगा?

श्री रघुनाथ झा : भारत की एकमात्र भाषा भोजपुरी है जिसे भारत के अतिरिक्त कई अन्य देशों में भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है जिनमें प्रमुख देश मॉरिशियस, सूरीनाम, ट्रिनीडॉड ब्रिटिश गयाना, नेपाल, फिजी, दक्षिण अमेरिका तथा वेस्टइंडीज के कुछ अन्य आइलैंड इत्यादि हैं।

उपरोक्त देशों के लगभग 25 से 50 प्रतिशत लोग भोजपुरी भाषा-भाषी हैं। भोजपुरी ही एक ऐसी भाषा है जिसे हर हिन्दी भाषी आसानी से समझ लेता है। हिन्दी सिनेमा, दूरदर्शन, धारावाहिक आदि में भोजपुरी भाषा का कोई न कोई चरित्र अवश्य रहता है। भोजपुरी भाषा में पटना, गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी, रांची, मुजफ्फरपुर आदि में दूरदर्शन व आकाशवाणी से कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस भाषा में अखबार, पत्र तथा हजारों साहित्य पढ़े जाते हैं।

भोजपुरी भाषा की पढ़ाई देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, जे.पी. विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर और जौनपुर विश्वविद्यालय में एम.ए. तक की पढ़ाई कराई जाती है। परन्तु लोक सभा में इस भाषा में न तो बोलने की आजादी है और न ही शपथ लेने की आजादी है।

महोदय, यह आपके अधिकार क्षेत्र की बात है। मैं आपसे निवेदन करना चाहूँगा कि झारखंड की संथाली भाषा जिसे लगभग दो लाख लोग बोलने वाले हैं ^{â€} (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : दो लाख नहीं, एक करोड़ से ज्यादा लोग संथाली बोलने वाले हैं। ^{â€} (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : आपने उसे एलाऊ किया है। ^{â€} (व्यवधान) हमारा आग्रह है कि यहां इस भाषा में बोलने और शपथ ग्रहण करने का अधिकार दिया जाये। हम पूर्व वर्ती सरकार को बधाई देना चाहते हैं कि उसने मैथिली को ^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप ऐट्य शैड्यूल के बारे में कह रहे हैं।

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : जी हां। दोनों की ही बात है। मैथिली को उन्होंने अटम सूची में दर्ज किया है लेकिन भोजपुरी को छोड़ दिया। ^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैथिली भाषा में मत जाइये।

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : मैं वर्तमान सरकार से मांग करता हूँ कि भोजपुरी भाषा को अटम सूची में दर्ज किया जाये। एक इन्फोर्मेशन है, प्रार्थना है। ^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप हमारी प्रार्थना नहीं सुनते तो फिर हम आपकी प्रार्थना क्यों सुनेंगे ?

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : मैं जानना चाहता हूँ कि इस सदन में कौन-कौन सी चीज लाने की परमीशन है। उड़ीसा के एक माननीय सदस्य यहां डंडा लेकर आते हैं। अगर हमें भी कुछ लाने की परमीशन हो तो ^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वह परमीशन एकदम नहीं है। आप कुछ मत लेकर आइये।

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : अगर लाठी लाना परमीसेबल है तो हम भी लायें। ^{â€} (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आज आप बहुत बोल चुके हैं इसलिए अब बिल्कुल मत बोलिये।

...(व्यवधान)